जॉन डीवी (John Dewey) के विचार में क्रिया या गतिविधि आधारित बाल-केंद्रित शिक्षा।

जॉन डीवी अनुभव को शिक्षा का केंद्र बिन्दु मानते हैं। इनके अनुसार बच्चों को अनुभव द्वारा ज्ञान प्राप्त करके अधिक से अधिक ~~अनुभव~~ अवसर प्रदान किए जाने चाहिए किन्तु अवसरों की उपलब्धता बच्चों की आयु एवं मानसिक स्तर के अनुरूप करना चाहिए। डीवी शिक्षा का उद्देश्य इस रूप में निर्धारित करने का प्रयास करते हैं कि जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके एवं उनका भावी जीवन सुरक्षित हो सके साथ ही साथ वह समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण में अपना सर्वोत्तम योगदान दे सके।

डीवी बच्चों को करके सीखने एवं प्रयोग द्वारा शिक्षा प्रदान करने के पक्षधर थे। इनका मानना था कि इस पद्धति से बच्चों में सहयोग,

Scanned with CamScanner

आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता आदि भावों का विकास होता है तथा मौलिकता, सृजनशीलता आदि के गुणों का विकास होता है।

शिक्षा प्रदान करते समय बच्चों के समक्ष ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न की जानी चाहिए जो उनमें भौतिक एवं सामाजिक वातावरण से सम्बंधित समस्याओं का समाधान करने का कौशल का विकास कर सके।

डीवी का मत था कि बच्चे को उसकी शिक्षा के लिए खुले एवं स्वतंत्र वातावरण को प्रदान किया जाना चाहिए एवं उसके ऊपर किसी भी प्रकार के अनावश्यक दबाव या अंकुश या भय को आरोपित नहीं किया जाना चाहिए और न ही बच्चों को किसी भी प्रकार के नैतिक या अनैतिक कार्यों को करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। बच्चों को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए, जो उनके ज्ञान ज्ञान अर्जन के लिए उपयुक्त हो साथ ही साथ बच्चों को क्रियाशील, जिज्ञासु

एवं सीखने के लिए तत्पर रखने में सहायक हो। बच्चों को स्वक्रिया, गतिविधियों में प्रतिभाग करने एवं प्रयोग करने के समुचित अवसर दिए जाने चाहिए। डीवी ने अपने शैक्षिक विचारों को अपने 'प्रयोगशाला विद्यालय' में साकार रूप में दिया। जहाँ बच्चों को स्वयं करके सीखने की शिक्षा एवं प्रेरणा दी जाती थी एवं उन्हें अपना कार्य चुनने, उसको पूरा करने, अपने आदर्शों एवं मूल्यों के निर्माण के लिए स्वतंत्रता प्रदान की जाती थी। इनका विचार था कि यदि बच्चों को स्वतंत्रतापूर्वक उसकी योग्यता, क्षमता, रुचि, गति एवं सामर्थ्य के अनुसार सीखने दिया जाए तो वह अपने रुचि के क्षेत्र में सदैव सफल रहेंगे।

डीवी ने बाल-केंद्रित शैक्षिक व्यवस्था का रूप प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने बच्चे की रुचि के अनुसार शिक्षा प्रदान किए जाने का सुझाव दिया। डीवी का मानना था कि बच्चे की रुचि एवं प्रयास को

Scanned with CamScanner

शिक्षा में सर्वोच्च स्थान दिया जाना चाहिए। शिक्षकों को बच्चों की रुचि क्रियाकलापों की योजना बनाने के पूर्व, आवश्यकता एवं महत्व को समझना चाहिए। अगर बच्चों को स्वयं कार्यक्रम बनाने का अवसर दिया जाए तो वह रुचि के अनुसार ही कार्यक्रमों को बनायेंगे। सबसे अच्छा साधन यह होगा कि बच्चों को बिना भय या दबाव के कार्य करने के अवसर दिए जाएँ, जहाँ वह स्वतंत्रतापूर्वक अपने कार्यक्रम बना सकें।